

राज

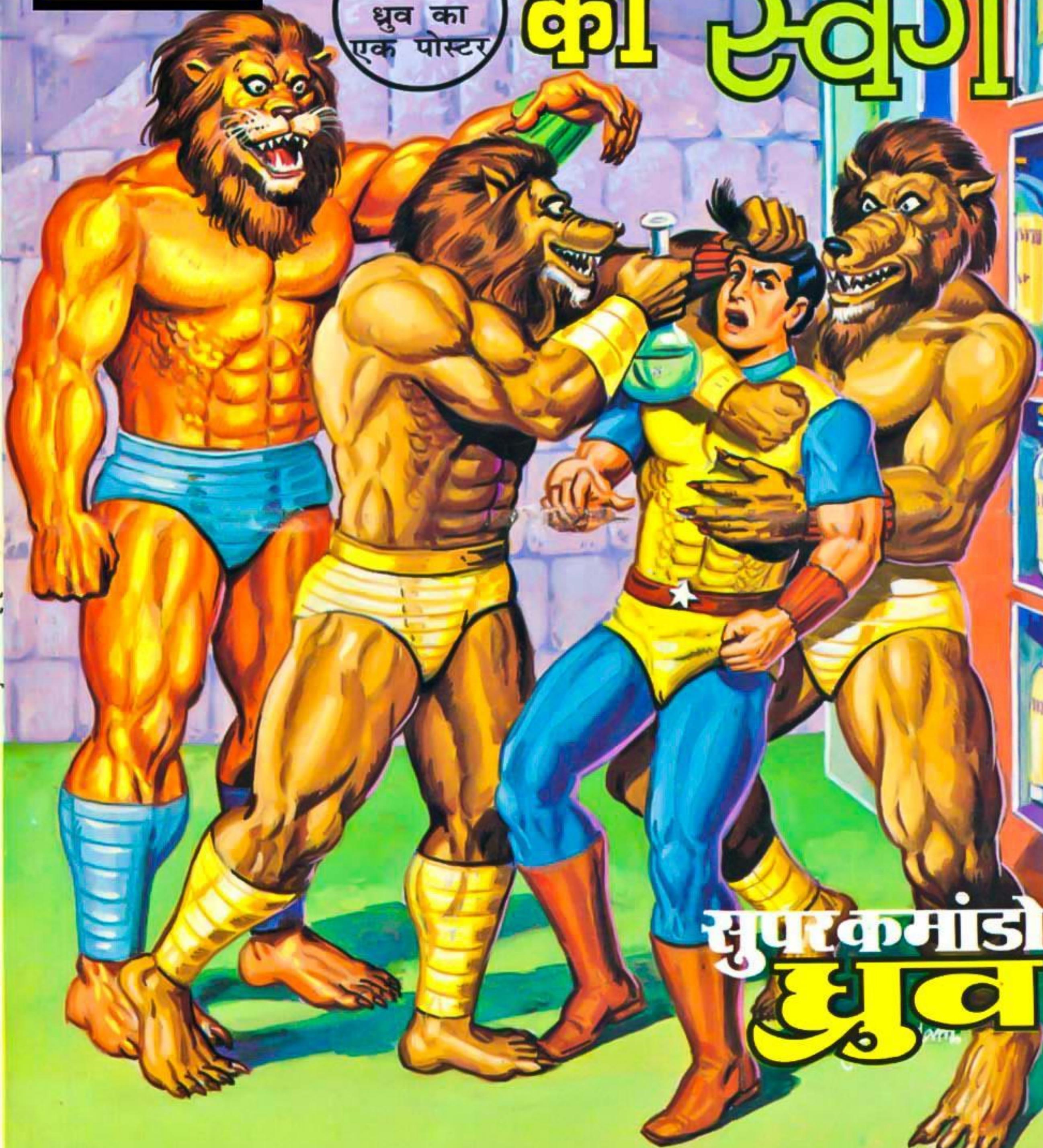
कॉमिक्स

संख्या 0092

आदमी रवाये

मुफ्त
ध्रुव का
एक पोस्टर

का स्वर्ग



सुपरकमांड
ध्रुव



आदमरणोरों का स्वर्ग

कथा व चित्रांकनः अनुपम सिन्हा • सम्पादकः मनीष चन्द्र गुप्त

जन 1944 का दहकता हुआ साल। द्वितीय विश्व-युद्ध जब अपनी आखिरी सांसें गिन रहा था; अरब सागर में, एक होटे से द्वीप के घने दुर्गम जंगलों के बीचोबीच बनी एक आधुनिक प्रयोगशाला में, एक अनोखा प्रयोग अपनी समाप्ति पर था।



सालों की कड़ी भेहनत का नतीजा
सामने आने वाला था।



बाएं हाथ की कलाई पर
दाएं हाथ ने एक पटटा बांधा -

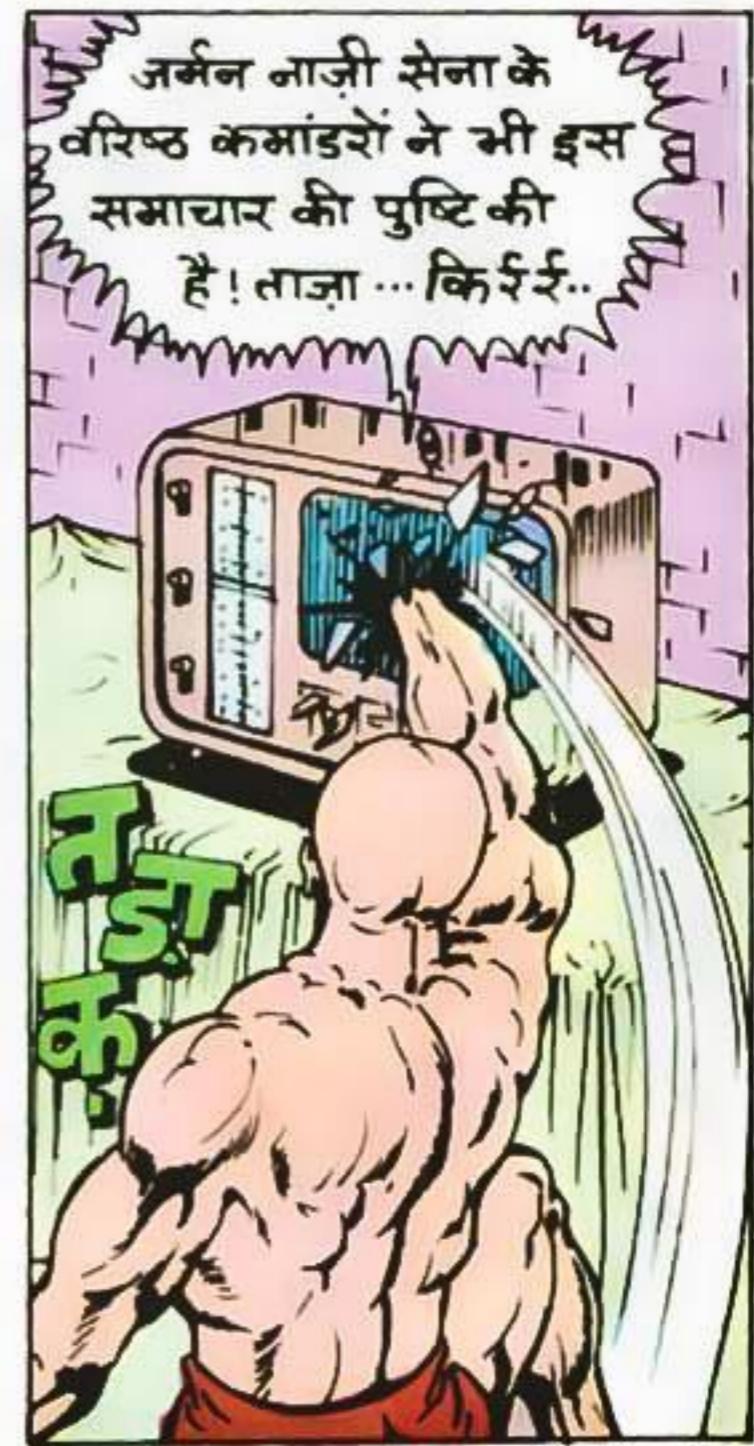
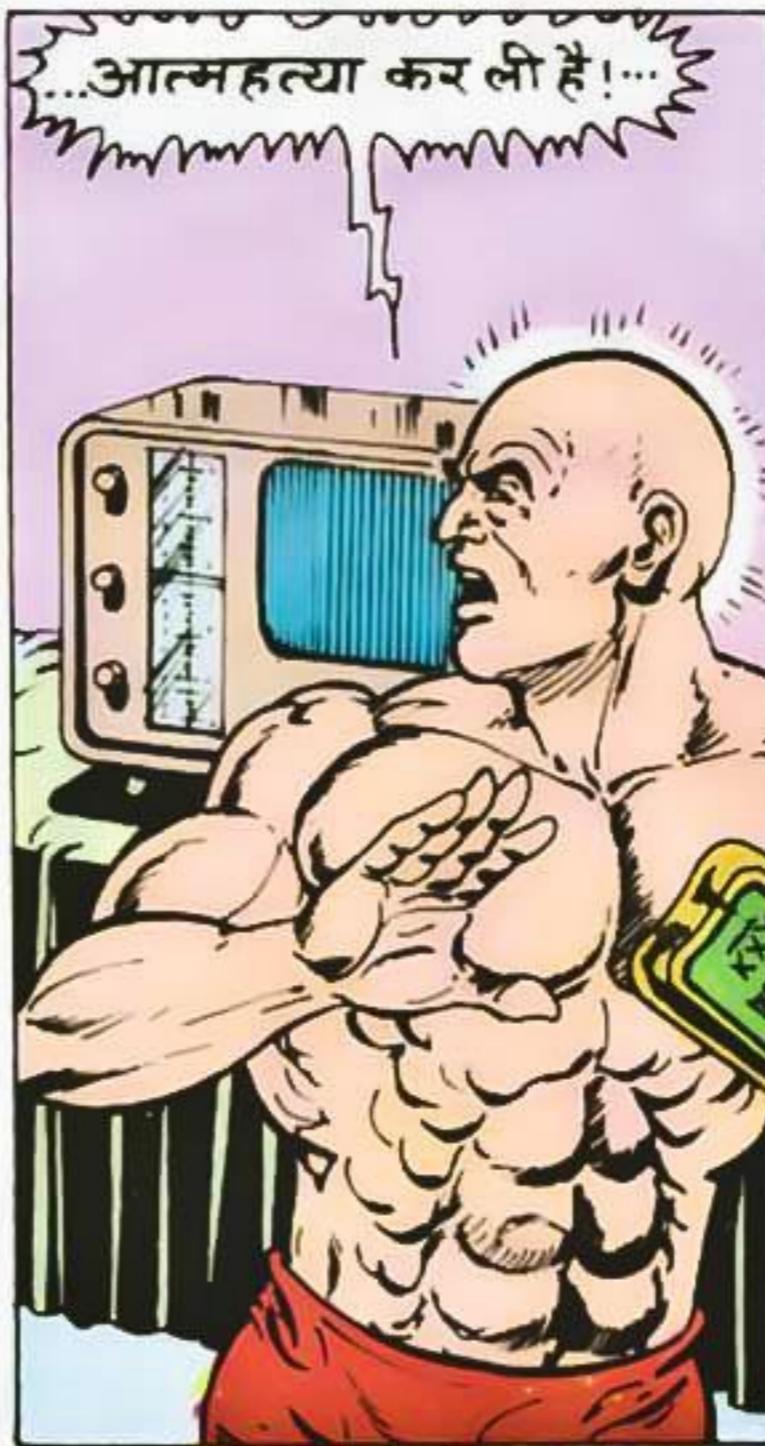
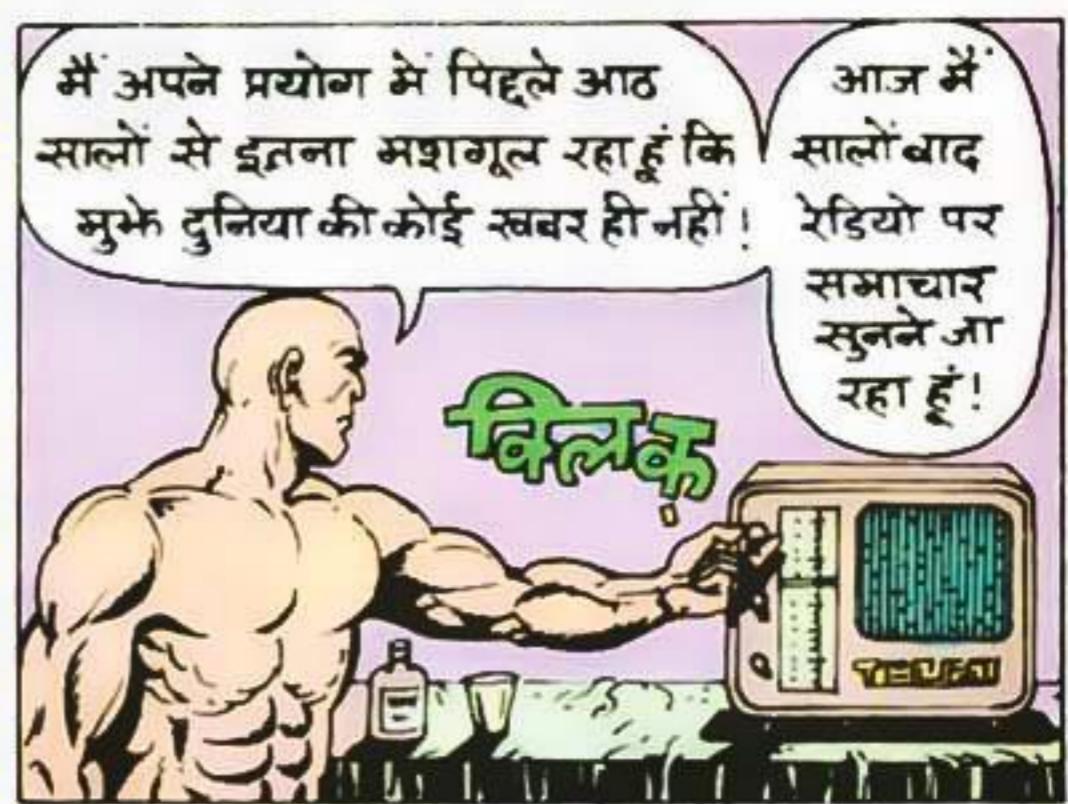
एक बटन दबा -



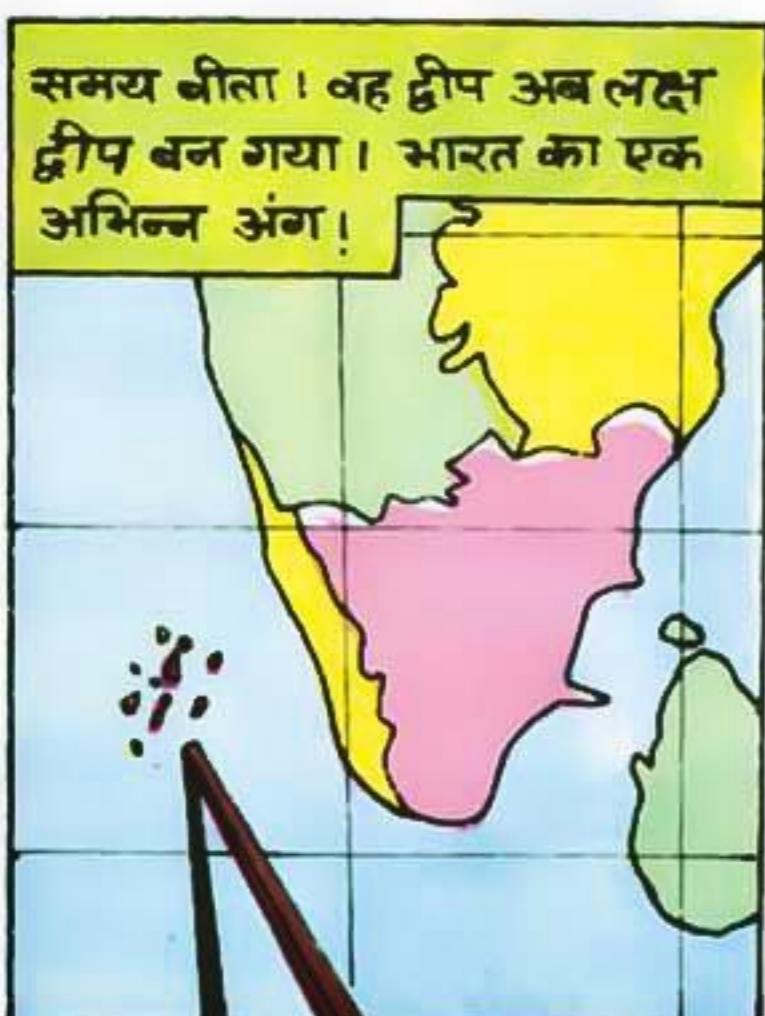
और पूरी प्रयोगशाला में लगी सभी
मशीनें सक्रिय हो गईं। -



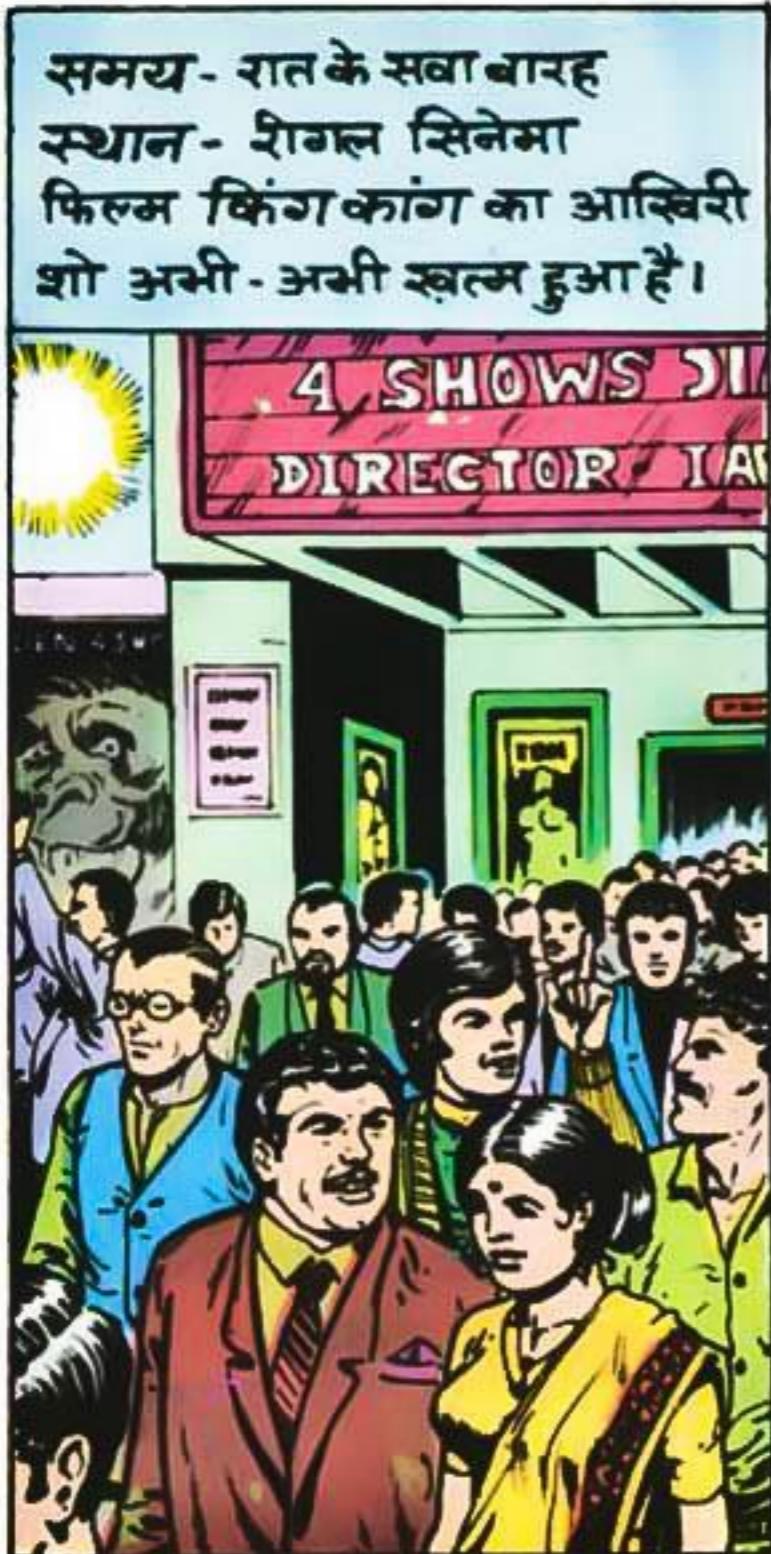
सूर्य की किरणें
एक स्वास्थ्यान पर केंद्रित हुईं ...



आदमखोरों का स्वर्ग



राज कॉमिक्स



आदमखोरों का स्वर्ग



आगे मदन सुन नहीं सका। 'अजीब-प्राणी' से मिलने का उसका सारा जोश ठंडा हो चुका था। -



लेकिन धूध के कारण वह ज्यादा दूर नहीं जा पाया।



खोफनाक कदमों की आहटे धीरे-धीरे असहय मदन के पास आकर रुक गई।





आदमखोरों का स्वर्ग

इतनी तेज गति की मोटरसाईकल से टकराने का परिणाम हमेशा ही घातक सिद्ध होता है -



हवा में उड़ता हुआ 'भेड़िया-मानव' का शरीर
धीरे दीवार से जा भिड़ा -



परंतु उस पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

आश्चर्यजनक !!



द्वितीय समझ गया कि उसका सामना किसी असामान्य प्राणी भी है।



लेकिन 'मेडिया-मानव' धूब की आशा से अधिक फुर्तीला जिकला -



वह सामने सेलपकते 'भेड़िया-मानव' से बचने के लिए तेजी से एक तरफ हटा।



आदमखोरों का स्वर्ग



और उसकी आवाज़ उसके गले में ही घृट कर रह गई।

एक आकृति ने झुक कर लाश के बाएं हाथ से एक पटटा खोला...



...ओर 'मेडिया-मानव' धीरे-धीरे...



...सिर्फ मानव रह गया।



वे दोनों भयावह आकृतियां समुद्र की तरफ बढ़ चलीं।



अगली
सुबह -

ओर, दूड़ी,
फिर मैं घेहोश
हो गया!

मेडिप जैसा प्राणी! मोटरसाइकल
की टक्कर भेल सकने वाला! दौड़ने
की आश्चर्यजनक गति! हाई-वोल्ट
बिजली का भी स्वास असर नहीं!

पर मुझको तुम्हारा पूरा यकीन
है! ... मैं तुमको सही व्यक्ति से भिलाने
की पूरी कोशिश करूँगा!



आदमखोरों का स्वर्ग



राज कॉमिक्स



आदमखोरों का स्वगे

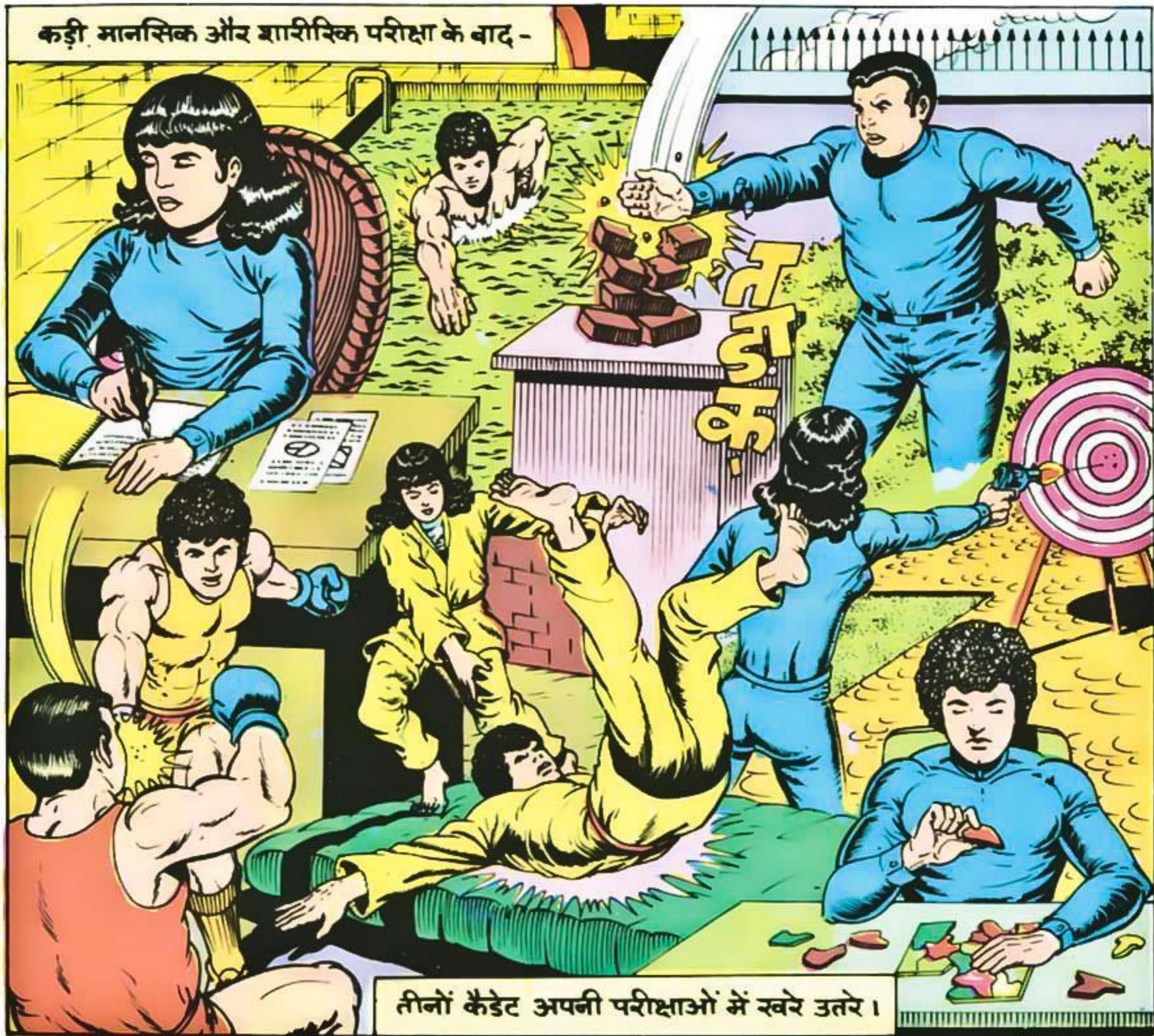
परेशान ध्रुव ने पास के बूथ से पुलिस को फोन किया और घर की तरफ रवाना हो गया।



आज उसकी 'कमांडो-फोर्स' की ट्रेनिंग का आखिरी दिन था।



कड़ी मानसिक और शारीरिक परीक्षा के बाद -

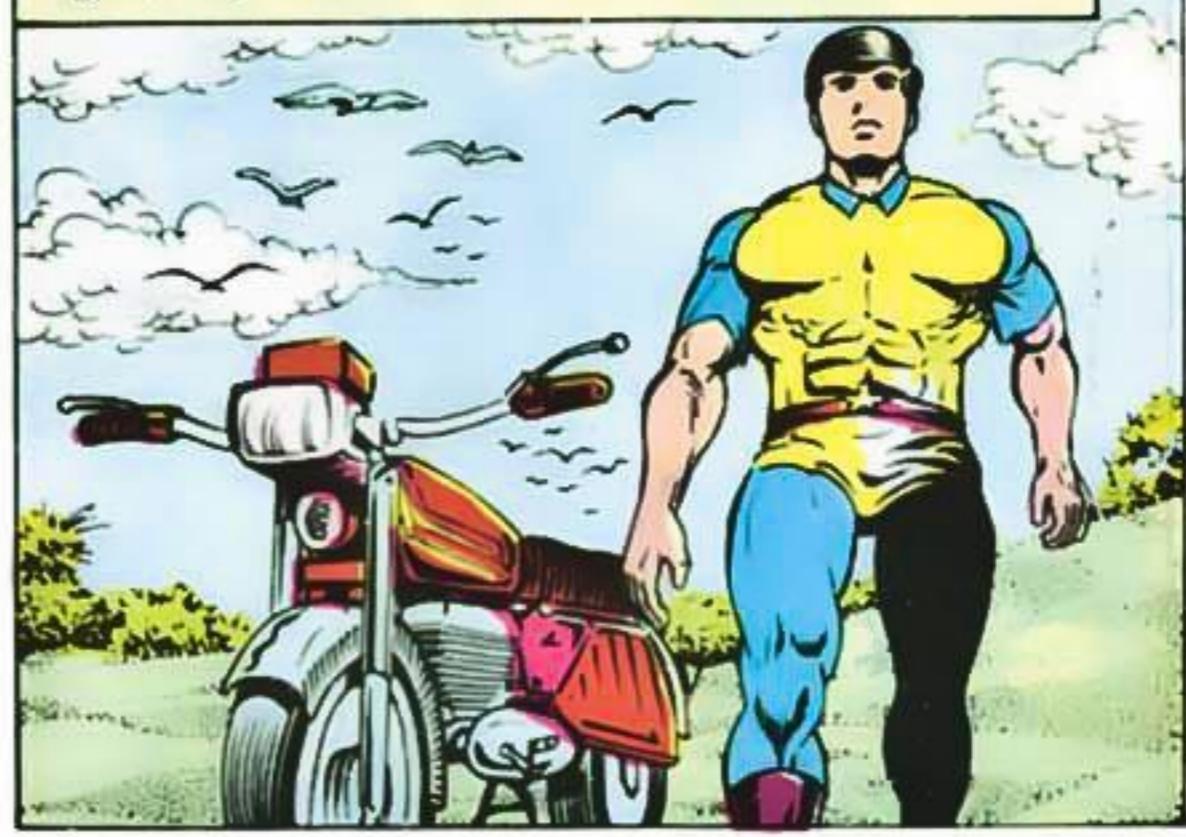




शाम घिरने लगी थी। छुब ने एक पल भी नहीं गंवाया। वह अपने दिमाग में घुमड़ते प्रश्नों का उत्तर पाने के लिए...



...सीधा उसी स्थान पर पहुंचा जहाँ से उसने सुबह वह रहस्यमय लाश बरामद की थी।

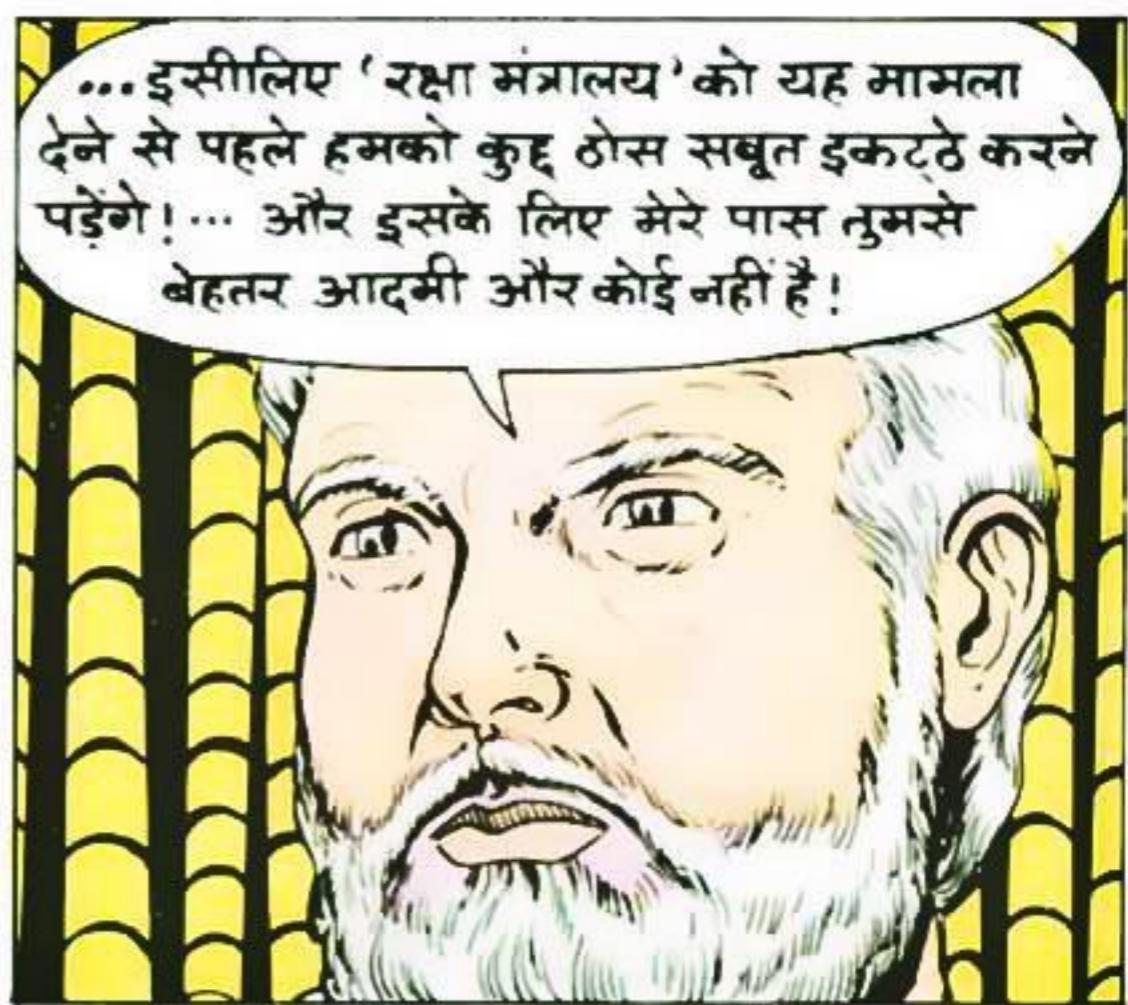


उसका दिमाग तेजी से काम कर रहा था।



आदमखोरों का स्वर्ग





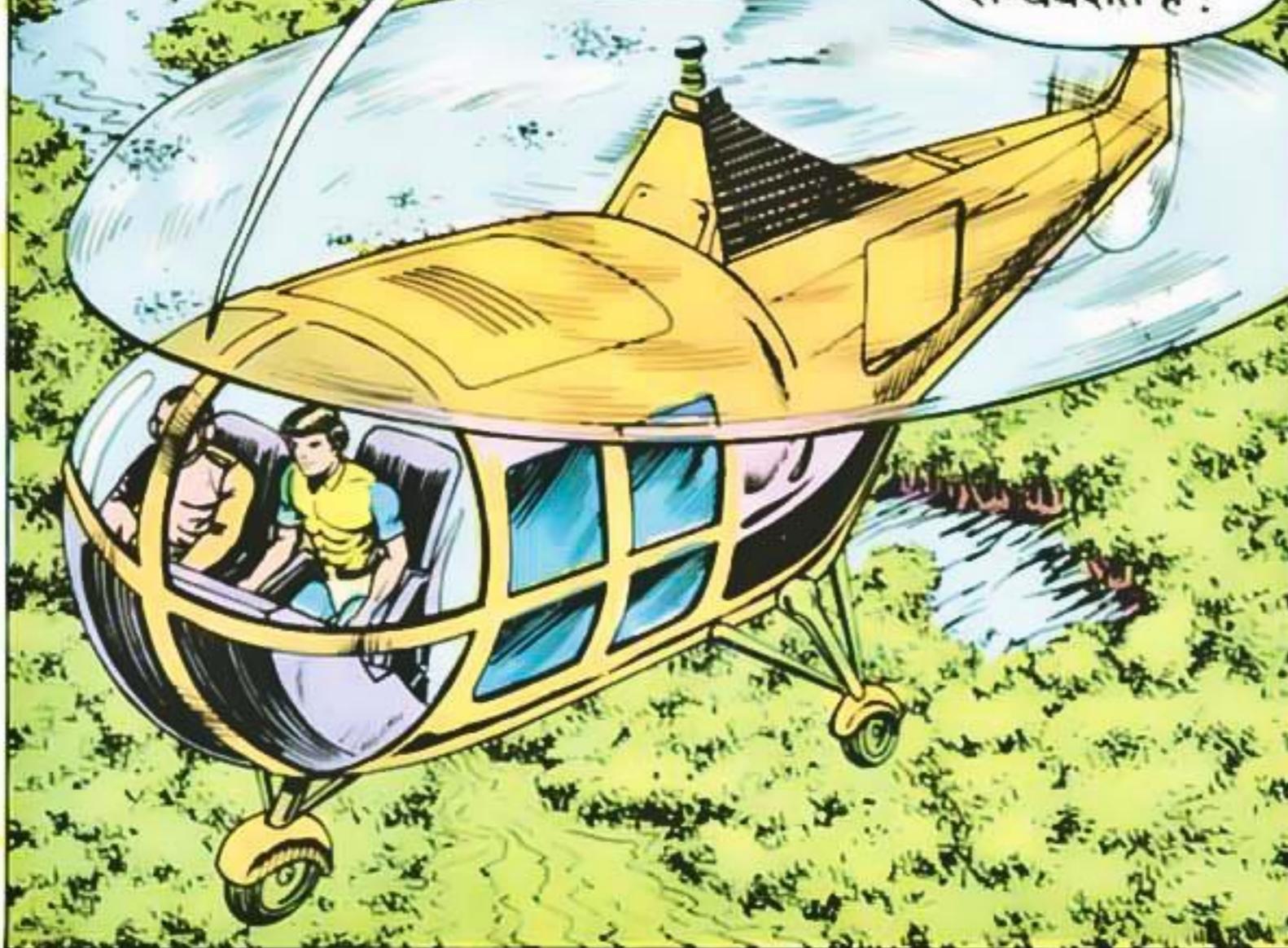
आदमबोरो का स्वर्ग

और फिर
अगले दिन-
लक्ष्मीप में-

हैलीकॉप्टर इस घर्ने
जंगल पर उड़ाना ईधन की
बरबादी है, ध्रुव !

'नागू' द्वीप के
जंगलों में इन्सान तो
क्या, जानवर भी रहने
से घबराते हैं !

तो फिर हमारी
मंजिल शर्तिया यहीं
पर होगी, मिठाड़ारी !



...खैर ! तुम मैं देख जाओ ! ... मैं देख लूंगा !

राज कॉमिक्स



आदमखोरों का स्वर्ग



और फिर शाम को जब वह उठा तो पूरे जंगल का नक्शा उसके दिमाग में दृप चुका था।



राज कॉमिक्स



आदमखोरों का स्वर्ग



एक भिन्नट तड़पने के बाद 'सर्प-मानव' का शरीर शांत हो गया -



ध्रुव का पीछा कर रही आकृति भी चकित रह गई।

वाह! इतने स्वतंत्रनाक प्राणी को इतनी आसानी से स्वतंत्र कर सकने वाला व्यक्ति सिर्फ ध्रुव ही हो सकता है!



इन प्राणियों की ऊपरी स्वाल तो ज़रूर सख्त है, परन्तु अंदुरुनी भाग हमारी तरह ही कोमल और मुलायम हैं!



पर इसके चक्कर में तो मैं उस झुंड को भूल ही गया जिससे बचने के लिए इस पेड़ पर चढ़ा था!



ध्रुव ने पत्ते हटाकर सावधानी से नीचे भाँका।

और तभी वह विशालकाय पेड़ बुरी तरह से हिल उठा।

तो यहै वह 'झुंड' जिसके चलने से इतने पत्ते चरमरा रहे थे!...



इस बार ध्रुव के सामने वास्तव में उसकी मौत का फरमान था।

आदमखोरों का स्वर्ग





आदमखोरों का स्वर्ग



...लेकिन धूब तेजी से एक तरफ
हट चुका था।

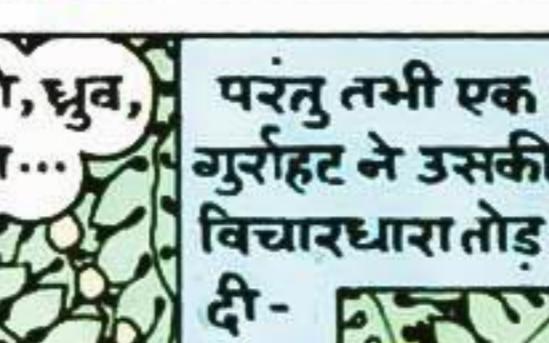
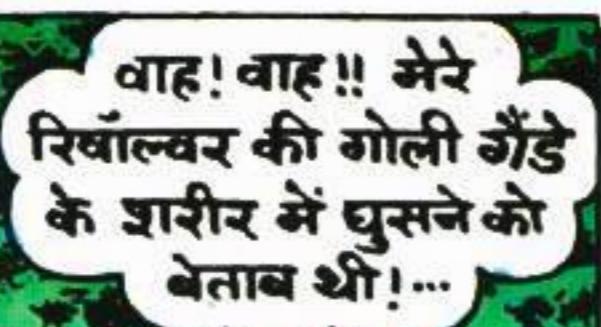


अपनी सारी अमानवीय ताकतों
के बावजूद तड़पते 'गौड़ा-मानव'
का शरीर धीरे-धीरे दलदल में
गायब होने लगा।

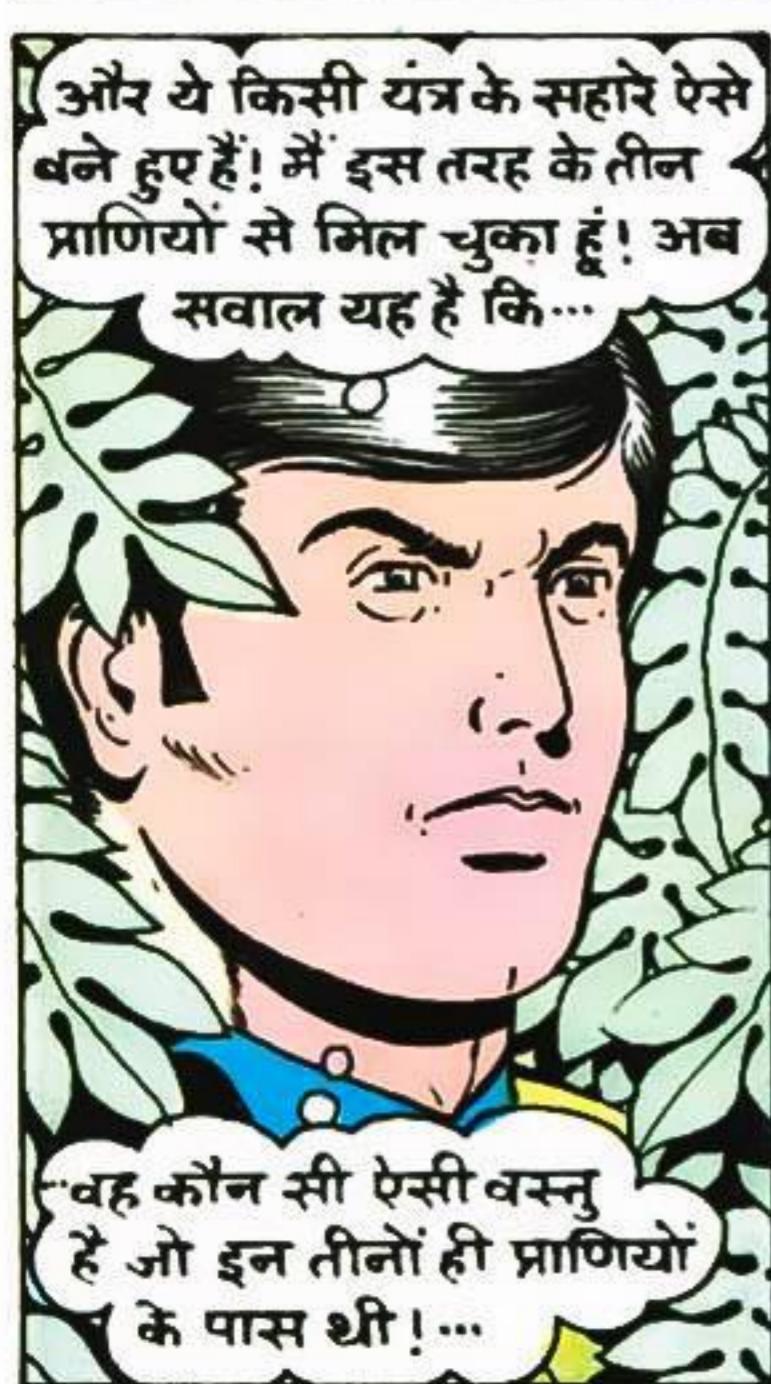
आपल्हातील

और शीघ्र ही दलदली जमीन ने 'गैंडा मानव' को पूरा निगल लिया।

राज कॉमिक्स



परंतु तभी एक गुरुहट ने उसकी विचारधारा तोड़ दी -



आदमखोरों का स्वर्ग





आदमखोरों का स्वर्ग









आदमस्वरों की भीड़ में थिरा असहाय ध्रुव ! लेकिन फिर क्या हुआ ? वह ध्रुव के पीछे परदाई की तरह लड़ी आकृति कौन थी ? जानने के लिए पढ़िए खूब जमा देने वाला दूसरा और अंतिम आग —

स्वर्ग की तरफ ही